संगीत का सरल प्राथमिक-अभ्यासक्रम

उदय शाह

१	सुगम संगीत के लिए पर्याप्त ७ तालों का वर्णन तथा सभी तालों में कम से कम एक अलंकार और एक गीत प्रस्तुत किया गया है।
२	कुल १४ अलंकार, ७ राग और २१ गीतों का समावेश किया गया है कि जिसमें ज़ियादातर गीतों का आरंभ ताल की पहली मात्रा (सम) से ही होता है।
३	मंद्र पंचम से ले कर तार गांधार तक के स्वरों के प्रयोगवाले गीतों का समावेश किया गया है।
४	मूर्छना पद्धति से संबंधित छह थाटों के आश्रय रागों का (यमन, बिलावल, खमाज, काफी, आसावरी और भैरवी का) तथा पूर्वांग और उत्तरांग दोनों के स्वरों में अनुक्रम से समान स्वरांतरालवाले चार थाटों के आश्रय रागों का (बिलावल, काफी, भैरवी और भैरव का) समावेश किया गया है।
५	सभी रागों में राग की प्राथमिक माहिती के साथ ताल भजनी में एक स्वरमालिका और उसी स्वरमालिका में निबद्ध एक भक्ति-गीत प्रस्तुत किया गया है।
६	इस पुस्तक में प्रस्तुत सभी गीतों को www.youtube.com पर सुना जा सकता है।

Music Academy

of

Uday Shah

(Singer – Music Composer – Poet)

Dadatattu (Sai) Street, Navsari – 396445, Gujarat – India.

Phone : (R) +912637255511 (M) +919428882632

: Websites :

www.udayshahghazal.com

www.sites.google.com/site/udayshahghazal

www.sites.google.com/site/udayshahghazals

www.sites.google.com/site/udayshahxyz

June-2017

क्रमांक	अनुक्रम	पृष्ठ क्रमांक
(१)	संगीत के पारिभाषिक शब्द	४
(२)	ताल	१०
(३)	अलंकार - १	१३
(४)	अलंकार - २	१६
(५)	राग	
१	यमन : गणेश वंदना	१९
२	बिलावल : सरस्वती वंदना	२१
३	खमाज : लक्ष्मी वंदना	२३
४	काफी : विष्णु वंदना	२५
५	आसावरी : शिव वंदना	२७
६	भैरवी : दुर्गा वंदना	२९
७	भैरव : भजन	३१
(६)	गीत - १	
१	ॐ सांई ॐ सांई ॐ सांईराम	३३
२	सांईराम सांईराम जय सांईराम	३५
३	जबसे सांई तू है मिला	३७
४	चहेरा ऊपर चहेरो छे	३९
५	थोडा संबंधोमां अटवायो छे माणस	४१
६	नाम जपन क्यूं छोड़ दिया	४३
७	प्रभु तारुं गीत मारे गावुं छे	४५

(७)	**गीत - २**	
१	खोया-खोया रहता हूं सांई-सांई करता हूं	४७
२	सांई तुझसे नाता जोड़ा	४९
३	होय कंई ने आंखने देखाय कंई	५१
४	श्री राम जय राम जय जय राम	५४
५	टीलडी रे मारी अंबे माने शोभती	५६
६	क्या पानी में मल-मल न्हावे	५८
७	मने श्वासना खूटतां रण खबर छे	६१
(८)	**गीत - ३**	
१	सब की बातें सुनता हूं	६३
२	कितनी सुंदर दिखती हो	६६
३	पर्वत ऊपर जन्मी धारा	६८
४	सूई जा सूई जा सूई जा मारा (मारी) लाडकवाया (लाडकवायी) सूई जा	७१
५	खूब ज प्रेमाळ मारी मा	७४
६	फूल खिला दो तुम गुलशन में	७६
७	आया हूं तेरे दर पे बाबा	७९

संगीत के पारिभाषिक शब्द

१	**संगीत :-** गायन, वादन और नृत्य कला को संगीत कहते हैं।
२	**नाद :-** किसी भी प्रकार की आवाज़ को नाद कहते हैं।
३	**स्वर :-** कर्णप्रिय नाद को स्वर कहते हैं।
४	**शुद्ध स्वर :-** स्वरों के मूल स्वरूप को शुद्ध स्वर कहते हैं। शुद्ध स्वरों को दर्शाने के लिए कोई भी निशानी का प्रयोग नहीं किया जाता। सा रे ग म प ध नि
५	**विकृत स्वर :-** शुद्ध स्वर के परिवर्तित स्वरूप को विकृत स्वर कहते हैं। विकृत स्वर दो प्रकार के होते हैं; कोमल स्वर और तीव्र स्वर।
६	**कोमल स्वर :-** शुद्ध स्वर के उतरे हुए स्वरूप को कोमल स्वर कहते हैं। कोमल स्वर चार होते हैं और इन्हें नीचे आड़ी रेखा करके दर्शाया जाता है। कोमल स्वर : रे ग ध नि
७	**तीव्र स्वर :-** शुद्ध स्वर के चढ़े हुए स्वरूप को तीव्र स्वर कहते हैं। तीव्र स्वर एक ही होता है और इसे ऊपर खड़ी रेखा करके दर्शाया जाता है। तीव्र स्वर : म॑

*	इस पुस्तक में सभी विकृत स्वरों को (कोमल और तीव्र दोनों को) इस प्रकार दर्शाया गया है। विकृत स्वर : रे् ग् म् ध् नि् अब आगे विकृत स्वरों को इसी प्रकार दर्शाया जाएगा।
८	**सप्तक :-** षडज से निषाद तक सात स्वरों के समुह को सप्तक कहते हैं। हमारे शास्त्रीय संगीत में तीन सप्तकों का प्रयोग होता है; मंद्र सप्तक, मध्य सप्तक और तार सप्तक। एक सप्तक में ७ शुद्ध, ४ कोमल और १ तीव्र स्वर मिल कर कुल १२ स्वर इस अनुक्रम से होते हैं। सा रे् रे ग् ग म म् प ध् ध नि् नि
९	**मध्य सप्तक :-** जिस सप्तक में गायन आसानी से किया जा सके ऐसे बीच के स्वरों के सप्तक को मध्य सप्तक कहते हैं। मध्य सप्तक के स्वरों को दर्शाने के लिए कोई भी निशानी का प्रयोग नहीं किया जाता। सा रे् रे ग् ग म म् प ध् ध नि् नि
१०	**मंद्र सप्तक :-** मध्य सप्तक से नीचे स्वरों के सप्तक को मंद्र सप्तक कहते हैं। मंद्र सप्तक के स्वरों को नीचे बिंदी करके दर्शाया जाता है। सा़ रे़् रे़ ग़् ग़ म़ म़् प़ ध़् ध़ नि़् नि़
११	**तार सप्तक :-** मध्य सप्तक से उंचे स्वरों के सप्तक को तार सप्तक कहते हैं। तार सप्तक के स्वरों को ऊपर बिंदी करके दर्शाया जाता है। सां रें् रें गं् गं मं मं् पं धं् धं निं् निं
१२	**ताल :-** समय के निश्चित विभाजित स्वरूप को ताल कहते हैं।
१३	**मात्रा :-** ताल में समय के माप के परिमाण को मात्रा कहते हैं।

१४	**सम :-** किसी भी ताल की पहली मात्रा को सम कहते हैं। सम पर पूरी लय का वज़न आता है यानि कि किसी भी ताल की सबसे ज़ियादा वज़नदार मात्रा सम है। ताल में सम दर्शाने के लिए '×' चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
१५	**ताली :-** ताल में आघात के स्थान को ताली कहते हैं। ताल में सम को छोड़ कर ताली के अन्य स्थानों को दर्शाने के लिए अंकों का प्रयोग किया जाता है।
१६	**ख़ाली :-** ताल के स्वरूप को निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त किये जानेवाली विषम मात्रा को ख़ाली कहते हैं। ताल में ख़ाली दर्शाने के लिए '०' चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
१७	**ठेका :-** ताल को स्पष्ट करनेवाले अक्षर-समुह को ठेका कहते हैं।
१८	**लय :-** समय की एक-सी चाल को लय कहते हैं। धीमी लय, मध्यम लय और तेज़ लय को अनुक्रम से विलंबित लय, मध्य लय और द्रुत लय कहते हैं।
१९	**थाट :-** क्रमानुसार सात स्वरों के समुह को थाट या ठाठ कहते हैं। पं विष्णुनारायण भातखंडे ने रागों को वर्गीकृत करने के लिए १० थाटों का स्वीकार किया है। बिलावल : सा रे ग म प ध नि खमाज : सा रे ग म प ध नि॒ काफी : सा रे ग॒ म प ध नि॒ आसावरी : सा रे ग॒ म प ध॒ नि॒ भैरवी : सा रे॒ ग॒ म प ध॒ नि॒ भैरव : सा रे॒ ग म प ध॒ नि कल्याण : सा रे ग म॑ प ध नि मारवा : सा रे॒ ग म॑ प ध नि पूर्वी : सा रे॒ ग म॑ प ध॒ नि तोड़ी : सा रे॒ ग॒ म॑ प ध॒ नि

२०	**राग :-** शास्त्रोक्त लक्षणों से युक्त रंजक स्वर-समुह को राग कहते हैं।
२१	**वादी स्वर :-** राग के मुख्य स्वर को वादी स्वर कहते हैं।
२२	**संवादी स्वर :-** राग में वादी स्वर से संवाद करनेवाले स्वर को संवादी स्वर कहते हैं।
२३	**अनुवादी स्वर :-** राग के वादी और संवादी स्वरों को छोड़ कर राग में प्रयुक्त अन्य स्वरों को अनुवादी स्वर कहते हैं।
२४	**वर्जित स्वर :-** राग में प्रयुक्त न होनेवाले स्वरों को वर्जित स्वर कहते हैं।
२५	**न्यास स्वर :-** राग के विश्रांतिदायक स्वरों को न्यास स्वर कहते हैं।
२६	**आरोह :-** स्वरों के चढ़ते क्रम को आरोह कहते हैं।
२७	**अवरोह :-** स्वरों के उतरते क्रम को अवरोह कहते हैं।
२८	**पकड़ :-** राग-वाचक स्वर समुह को पकड़ कहते हैं।
२९	**स्थायी :-** गीत के प्रथम भाग को स्थायी कहते हैं।
३०	**अंतरा :-** स्थायी को छोड़ कर गीत के अन्य भागों को अंतरा कहते हैं।

३१	**मुखड़ा :-** स्थायी की पहली पंक्ति को मुखड़ा कहते हैं।
३२	**सात स्वरों के नाम:-** सा = षडज रे = रिषभ ग = गांधार म = मध्यम प = पंचम ध = धैवत नि = निषाद
३३	**रागों की जाति :-** किसी भी राग में पांच, छह या सात स्वरों का प्रयोग होता है। रागों में प्रयुक्त स्वरों की संख्या के आधार पर रागों की तीन जाति प्राप्त होती है। औडव जाति = ५ स्वरों का प्रयोग षाडव जाति = ६ स्वरों का प्रयोग संपूर्ण जाति = ७ स्वरों का प्रयोग राग के आरोह और अवरोह में प्रयुक्त स्वरों की संख्या अलग-अलग हो सकती है। राग के आरोह-अवरोह में प्रयुक्त स्वरों की संख्या को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त तीन जाति के आधार पर रागों को कुल ९ जाति में विभाजित किया जा सकता है। औडव-औडव औडव-षाडव औडव-संपूर्ण षाडव-औडव षाडव-षाडव षाडव-संपूर्ण संपूर्ण-औडव संपूर्ण-षाडव संपूर्ण-संपूर्ण

३४	**संवाद :-** **स्वरों के इष्ट संबंध को संवाद कहते हैं। हमारे भारतीय शास्त्रीय संगीत में षडज-पंचम और षडज-मध्यम संवाद को इष्ट संवाद माना गया है।**
३५	**श्रुति :-** **मनुष्य के कानों द्वारा सुनी जा सकनेवाली न्यूनतम ऊंचाई-नीचाई वाली सूक्ष्म ध्वनिओं को श्रुति कहते हैं। हमारे भारतीय शास्त्रीय संगीत में एक सप्तक में २२ श्रुतियां मानी जाती है।**

ताल

(१)

ताल : कहरवा

मात्रा : ८

खंड : २

ताली की मात्रा : १

ख़ाली की मात्रा : ५

धा	गे	न	ति	न	क	धि	न
१ ×	२	३	४	५ ०	६	७	८

(२)

ताल : दादरा

मात्रा : ६

खंड : २

ताली की मात्रा : १

ख़ाली की मात्रा : ४

धा	धी	ना	धा	ती	ना
१ ×	२	३	४ ०	५	६

(३)

ताल : रूपक

मात्रा : ७

खंड : ३

ताली की मात्रा : ४, ६

ख़ाली की मात्रा : १

ती	ती	ना	धी	ना	धी	ना
१ ×	२	३	४ १	५	६ २	७

(४)

ताल : भजनी

मात्रा : ८

खंड : २

ताली की मात्रा : १

ख़ाली की मात्रा : ५

धीं	धा धीं	- धी	ना	धीं	धा तीं	- ती	ना
१ ×	२	३	४	५ ०	६	७	८

(५)

ताल : हींच

मात्रा : ६

खंड : २

ताली की मात्रा : १

ख़ाली की मात्रा : ४

धीं	ना गि	ना	तीं	ना क	ता
१ ×	२	३	४ ०	५	६

(६)

ताल : दीपचन्दी

मात्रा : १४

खंड : ४

ताली की मात्रा : १, ४, ११

ख़ाली की मात्रा : ८

धा	धीं	-	धा	गे	तीं	-	ता	तीं	-	धा	गे	धीं	-
१ ×	२	३	४ २	५	६	७	८ ०	९	१०	११ ३	१२	१३	१४

(७)

ताल : झपताल

मात्रा : १०

खंड : ४

ताली की मात्रा : १, ३, ८

ख़ाली की मात्रा : ६

धी	ना	धी	धी	ना	ती	ना	धी	धी	ना
१ ×	२	३ २	४	५	६ ०	७	८ ३	९	१०

अलंकार - १

(१)

ताल : कहरवा

सा	रे	ग	म	प	ध	नि	सां
×				०			

सां	नि	ध	प	म	ग	रे	सा
×				०			

(२)

ताल : कहरवा

सा	रे	रे	ग	ग	म	म	प	प	ध	ध	नि	नि	सां	-	-
×				०				×				०			

सां	नि	नि	ध	ध	प	प	म	म	ग	ग	रे	रे	सा	-	-
×				०				×				०			

(३)

ताल : कहरवा

सा	रे	ग	ग	रे	ग	म	म	ग	म	प	प	म	प	ध	ध
×				०				×				०			

प	ध	नि	नि	ध	नि	सां	सां
×				०			

सां	नि	ध	ध	नि	ध	प	प	ध	प	म	म	प	म	ग	ग
×				०				×				०			

म	ग	रे	रे	ग	रे	सा	सा
×				०			

(४)

ताल : कहरवा

सा	रे	ग	म	रे	ग	म	प	ग	म	प	ध	म	प	ध	नि	प	ध	नि	सां
×				०				×				०				×			

सां	नि	ध	प	नि	ध	प	म	ध	प	म	ग	प	म	ग	रे	म	ग	रे	सा
०				×				०				×				०			

(५)

ताल : कहरवा

सा	रे	ग	म	प	-	-	-	रे	ग	म	प	ध	-	-	-
×				०				×				०			

ग	म	प	ध	नि	-	-	-	म	प	ध	नि	सां	-	-	-
×				०				×				०			

सां	नि	ध	प	म	-	-	-	नि	ध	प	म	ग	-	-	-
×				०				×				०			

ध	प	म	ग	रे	-	-	-	प	म	ग	रे	सा	-	-	-
×				०				×				०			

(६)

ताल : दादरा

सा	रे	ग	रे	ग	म	ग	म	प	म	प	ध	प	ध	नि	ध	नि	सां
×			०			×			०			×			०		

सां	नि	ध	नि	ध	प	ध	प	म	प	म	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
×			०			×			०			×			०		

(७)

ताल : दादरा

सा	**ग**	**ग**	**रे**	**म**	**म**	**ग**	**प**	**प**	**म**	**ध**	**ध**	**प**	**नि**	**नि**	**ध**	**सां**	**सां**
×			०			×			०			×			०		

सां	**ध**	**ध**	**नि**	**प**	**प**	**ध**	**म**	**म**	**प**	**ग**	**ग**	**म**	**रे**	**रे**	**ग**	**सा**	**सा**
×			०			×			०			×			०		

अलंकार - २

(१)

ताल : कहरवा

सा	ग	रे	सा	रे	म	ग	रे	ग	प	म	ग	म	ध	प	म
×				०				×				०			

प	नि	ध	प	ध	सां	नि	ध	नि	रें	सां	नि	सां	गं	रें	सां
×				०				×				०			

सां	ध	नि	सां	नि	प	ध	नि	ध	म	प	ध	प	ग	म	प
×				०				×				०			

म	रे	ग	म	ग	सा	रे	ग	रे	नि़	सा	रे	सा	ध़	नि़	सा
×				०				×				०			

(२)

ताल : दादरा

सा	रे	सा	रे	ग	रे	ग	म	ग	म	प	म	प	ध	प	ध	नि	ध	नि	सां	नि	सां	रें	सां
×			०			×			०			×			०			×			०		

सां	नि	सां	नि	ध	नि	ध	प	ध	प	म	प	म	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा	रे	सा	नि़	सा
×			०			×			०			×			०			×			०		

(३)

ताल : रूपक

सा	रे	ग	सा	रे	ग	म	रे	ग	म	रे	ग	म	प	ग	म	प	ग	म	प	ध
×			१		२		×			१		२		×			१		२	

म	प	ध	म	प	ध	नि	प	ध	नि	प	ध	नि	सां
×			१		२		×			१		२	

सां	नि	ध	सां	नि	ध	प	नि	ध	प	नि	ध	प	म	ध	प	म	ध	प	म	ग
×			१		२		×			१		२		×			१		२	

प	म	ग	प	म	ग	रे	म	ग	रे	म	ग	रे	सा
×			१		२		×			१		२	

(४)

ताल : भजनी

सा	रे ग	- म	प	रे	ग म	- प	ध	ग	म प	- ध	नि	म	प ध	- नि	सां
×				०				×				०			

सां	नि ध	- प	म	नि	ध प	- म	ग	ध	प म	- ग	रे	प	म ग	- रे	सा
×				०				×				०			

(५)

ताल : हींच

सा	रे ग	म	रे	ग म	प	ग	म प	ध	म	प ध	नि	प	ध नि	सां
×			०			×			०			×		

सां	नि ध	प	नि	ध प	म	ध	प म	ग	प	म ग	रे	म	ग रे	सा
०			×			०			×			०		

(६)

ताल : दीपचन्दी

सा	रे	-	सा	रे	ग	-	रे	ग	-	रे	ग	म	-
×			२				०			३			

ग	म	-	ग	म	प	-	म	प	-	म	प	ध	-
×			२				०			३			

प	ध	-	प	ध	नि	-	ध	नि	-	ध	नि	सां	-
×			२				०			३			

सां	नि	-	सां	नि	ध	-	नि	ध	-	नि	ध	प	-
×			२				०			३			

ध	प	-	ध	प	म	-	प	म	-	प	म	ग	-
×			२				०			३			

म	ग	-	म	ग	रे	-	ग	रे	-	ग	रे	सा	-
×			२				०			३			

(७)

ताल : झपताल

सा	रे	सा	रे	ग	रे	ग	रे	ग	म	ग	म	ग	म	प	म	प	म	प	ध
×		२			०		३			×		२			०		३		

प	ध	प	ध	नि	ध	नि	ध	नि	सां
×		२			०		३		

सां	नि	सां	नि	ध	नि	ध	नि	ध	प	ध	प	ध	प	म	प	म	प	म	ग
×		२			०		३			×		२			०		३		

म	ग	म	ग	रे	ग	रे	ग	रे	सा
×		२			०		३		

राग

(१)

राग : यमन

थाट : कल्याण
विकृत स्वर : मध्यम तीव्र
वर्जित स्वर : *
जाति : संपूर्ण
गायन-समय : रात्रि का प्रथम प्रहर
वादी स्वर : गांधार
संवादी स्वर : निषाद
आरोह : सा रे ग म् प ध नि सां
अवरोह : सां नि ध प म् ग रे सा
पकड़ : ऩि रे ग रे सा प म् ग रे सा

स्वरमालिका

ताल : भजनी / कहरवा

स्थायी :-

सां	सां	नि	ध	प	प	ग	म्	ग म्	प	ग	रे	ऩि	रे	सा	-
×				०				×				०			

ऩि	ऩि	रे	रे	ग	ग	म्	ग म्	प	प	ग	रे	ऩि	रे	सा	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

प	प	ग	ग	प	प	सां	ध	सां	सां	नि	ध	नि	रें	सां	-
×				०				×				०			

सां	सां	गं	रें	सां	नि	ध	प	ग	म्	प	म्	ग	रे	सा	-
×				०				×				०			

	गणेश वंदना **ताल : भजनी और राग : यमन**
*	जय गणेश गणनाथ दयानिधि सकल विघन कर दूर हमारे
*	प्रथम धरे जो ध्यान तुम्हारो तिनके पूरण कारज सारे
*	लंबोदर गजबदन मनोहर कर त्रिशूल परशू वर धारे
*	ब्रह्मादिक सुर ध्यावत मन में ऋषि मुनि गण सब दास तुम्हारे
*	'ब्रह्मानंद' सहाय करो नित भक्तजनों के तुम रखवारे

स्थायी :-

ज	य	ग	णे	-	श	ग	ण	ना -	-	थ	द	या	-	नि	धि
सां ×	सां	नि	ध	प ०	प	ग	म्	ग म् ×	प	ग	रे	नि़ ०	रे	सा	सा

स	क	ल	वि	घ	न	क	र -	दू	-	र	ह	मा	-	रे	-
नि़ ×	नि़	रे	रे	ग ०	ग	म्	ग म्	प ×	-	ग	रे	नि़ ०	रे	सा	-

अंतरा :-

प्र	थ	म	ध	रे	-	जो	-	ध्या	-	न	तु	म्हा	-	रो	-
प ×	प	ग	ग	प ०	-	सां	ध	सां ×	-	नि	ध	नि ०	रें	सां	-

ति	न	के	-	पू	-	र	ण	का	-	र	ज	सा	-	रे	-
सां ×	सां	गं	रें	सां ०	नि	ध	प	ग ×	म्	प	म्	ग ०	रे	सा	-

(२)

राग : बिलावल

थाट : बिलावल

विकृत स्वर : *

वर्जित स्वर : *

जाति : संपूर्ण

गायन-समय : दिन का प्रथम प्रहर

वादी स्वर : धैवत

संवादी स्वर : गांधार

आरोह : सा रे ग म प ध नि सां

अवरोह : सां नि ध प म ग रे सा

पकड़ : ग म रे ग प ध नि सां

स्वरमालिका

ताल : भजनी / कहरवा

स्थायी :-

सां ×	सां	ध	प	म ०	ग	म	रे	ग ×	म	प	ग	म ०	रे	सा	-

ग ×	ग	म	रे	ग ०	प	नि ध	नि	सां ×	-	रें	सां	नि ०	ध	प	-

अंतरा :-

प ×	-	प	प	सां ०	-	सां	सां	सां ×	-	सां	सां	सां ०	रें	सां	-

सां ×	रें	सां	नि	ध ०	प	म	ग	ग ×	म	प	ग	म ०	रे	सा	-

	सरस्वती वंदना **ताल : भजनी और राग : बिलावल**
*	जय जगदीश्वरी मात सरस्वती शरणागत प्रतिपालनहारी
*	चंद्रबिंबसम वदन विराजे शीश मुकुट माला गलधारी
*	वीणा वाम अंग में शोभे सामगीत ध्वनि मधुर पियारी
*	श्वेतबसन कमलासन सुन्दर संग सखी शुभ हंससवारी
*	'ब्रह्मानंद' मैं दास तुम्हारो दे दर्शन परब्रह्म दुलारी

स्थायी :-

ज	य	ज	ग	दी	-	श्व	री	मा	-	त	स	र	-	स्व	ती
सां	सां	ध	प	म	ग	म	रे	ग	म	प	ग	म	रे	सा	सा
×				०				×				०			

श	र	णा	-	ग	त	प्र -	ति	पा	-	ल	न	हा	-	री	-
ग	ग	म	रे	ग	प	नि ध	नि	सां	-	रें	सां	नि	ध	प	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

चं	-	द्र	बिं	-	ब	स	म	व	द	न	वि	रा	-	जे	-
प	-	प	प	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां	रें	सां	-
×				०				×				०			

शी	-	श	मु	कु	ट	मा	-	ला	-	ग	ल	धा	-	री	-
सां	रें	सां	नि	ध	प	म	ग	ग	म	प	ग	म	रे	सा	-
×				०				×				०			

(३)

राग : खमाज

थाट : खमाज

विकृत स्वर : अवरोह में निषाद कोमल

वर्जित स्वर : आरोह में रिषभ

जाति : षाडव-संपूर्ण

गायन-समय : रात्रि का दूसरा प्रहर

वादी स्वर : गांधार

संवादी स्वर : निषाद

आरोह : सा ग म प ध नि सां

अवरोह : सां नि् ध प म ग रे सा

पकड़ : नि् ध म प ध म ग

स्वरमालिका

ताल : भजनी / कहरवा

स्थायी :-

सां	सां	नि्	नि्	ध प	ध प	म	ग	ग	म	प	ध	सां	नि	सां	-
×				०				×				०			

नि	नि	सां	सां	गं	रें	सां	-	नि	नि	सां	सां	सां नि	सां	नि्	ध
×				०				×				०			

अंतरा :-

ग	म	ध	नि	सां	नि	सां	-	नि	नि	सां	सां	सां नि	सां	नि्	ध
×				०				×				०			

नि	नि	सां	सां	गं	रें	सां	-	नि	नि	सां	सां	सां नि	सां	नि्	ध
×				०				×				०			

	लक्ष्मी वंदना **ताल : भजनी और राग : खमाज**
*	जय कमले कमलासनसुंदरी सकलजगतमाता सुखदाई
*	रत्नमुकुट मस्तक पर राजे बनमाला गल बीच सुहाई
*	कानन में कुंडल कर कंकण पग नूपुर शोभा अधिकाई
*	गरुड़ चढ़ी हरि संग बिराजे शेषनाग तन सेज बिछाई
*	'ब्रह्मानंद' करे जो सुमरण सुख संपत नित होत सवाई

स्थायी :-

ज	य	क	म	ले -	- -	क	म	ला	-	स	न	सुं	द	री	-
सां	सां	नि्	नि्	ध प	ध प	म	ग	ग	म	प	ध	सां	नि	सां	-
×				०				×				०			

स	क	ल	ज	ग	त	मा	-	ता	-	सु	ख	दा -	-	ई	-
नि	नि	सां	सां	गं	रें	सां	-	नि	-	सां	सां	सां नि	सां	नि्	ध
×				०				×				०			

अंतरा :-

र	-	त्न	मु	कु	ट	म	-	स्त	क	प	र	रा -	-	जे	-
ग	म	ध	नि	सां	नि	सां	-	नि	नि	सां	सां	सां नि	सां	नि्	ध
×				०				×				०			

ब	न	मा	-	ला	-	ग	ल	बी	-	च	सु	हा -	-	ई	-
नि	नि	सां	-	गं	रें	सां	सां	नि	-	सां	सां	सां नि	सां	नि्	ध
×				०				×				०			

(४)

राग : काफी

थाट : काफी
विकृत स्वर : गांधार और निषाद कोमल
वर्जित स्वर : *
जाति : संपूर्ण
गायन-समय : रात्रि का दूसरा प्रहर
वादी स्वर : पंचम
संवादी स्वर : षडज
आरोह : सा रे ग् म प ध नि् सां
अवरोह : सां नि् ध प म ग् रे सा
पकड़ : सा सा रे रे ग् ग् म म प

स्वरमालिका

ताल : भजनी / कहरवा

स्थायी :-

सा ×	ग्	रे	ग्	सा ०	रे	म	म	प ×	-	ध	प	म ०	ग्	रे	सा

रे ×	नि्	ध	नि्	प ०	ध	म	प	रे ×	ग्	रे	म	ग् ०	रे	सा	-

अंतरा :-

ध ×	म	प	ध	नि ०	नि	सां	-	रें ×	गं्	रें	सां	रें ०	नि	सां	-

सां ×	रें	सां	नि्	ध ०	प	म	प	सां ×	नि्	ध	प	म ०	ग्	रे	सा

	विष्णु वंदना **ताल : भजनी और राग : काफी**
⁕	नाथ दिजो अब दरस तुमारे सफल करो प्रभु नैन हमारे
⁕	तेजपुंजमय अंग मनोहर रवि शशि कोटि लजावनहारे
⁕	शीश मुकुट मणि जड़ित विराजे कानन में कुंडल मकरारे
⁕	शंख चक्र कर कमल सुहावे पीत बसन तन ऊपर धारे
⁕	'ब्रह्मानंद' चतुर्भुज सुन्दर मंदहंसन हरि गरुड़ सवारे

स्थायी :-

ना	-	थ	दि	जो	-	अ	ब	द	र	स	तु	मा	-	रे	-
सा	ग्	रे	ग्	सा	रे	म	म	प	प	ध	प	म	ग्	रे	सा
×				०				×				०			

स	फ	ल	क	रो	-	प्र	भु	नै	-	न	ह	मा	-	रे	-
रे	नि्	ध	नि्	प	ध	म	प	रे	ग्	रे	म	ग्	रे	सा	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

ते	-	ज	पुं	-	ज	म	य	अं	-	ग	म	नो	-	ह	र
ध	म	प	ध	नि	नि	सां	सां	रें	ग्ं	रें	सां	रें	नि	सां	सां
×				०				×				०			

र	वि	श	शि	को	-	टि	ल	जा	-	व	न	हा	-	रे	-
सां	रें	सां	नि्	ध	प	म	प	सां	नि्	ध	प	म	ग्	रे	सा
×				०				×				०			

(५)

राग : आसावरी

थाट : आसावरी
विकृत स्वर : गांधार, धैवत और निषाद कोमल
वर्जित स्वर : आरोह में गांधार और निषाद
जाति : औडव-संपूर्ण
गायन-समय : दिन का दूसरा प्रहर
वादी स्वर : धैवत
संवादी स्वर : गांधार
आरोह : सा रे म प ध् सां
अवरोह : सां नि् ध् प म ग् रे सा
पकड़ : रे म प नि् ध् प

स्वरमालिका

ताल : भजनी / कहरवा

स्थायी :-

रे	म	प	सां	ध्	ध्	प	प	म	प	ध्	प	ग्	ग्	रे	सा
×				०				×				०			

रे	रे	म	म	प	प	ध्	प	सां	नि्	ध्	प	म	ग्	रे	सा
×				०				×				०			

अंतरा :-

ध्	म	प	ध्	सां	-	सां	सां	रें	ग्ं	रें	सां	रें	नि्	ध्	प
×				०				×				०			

प	ग्ं	रें	सां	रें	नि्	ध्	प	म	प	ध्	प	ग्	ग्	रे	सा
×				०				×				०			

	शिव वंदना **ताल : भजनी और राग : आसावरी**
*	जय शंकर कैलाश पति शिव परम ब्रह्म सदा अविनाशी
*	अंग विभूति गले मुंड माला शीश जटा जल गंग विलासी
*	चंद्र कला मस्तक पर सोहे तीन नयन त्रैलोक्य विकासी
*	कर त्रिशूल पहरे मृगछाला संग बसे गिरजा नित दासी
*	'ब्रह्मानंद' करो करुणा प्रभु भवभंजन भक्तन सुखराशी

स्थायी :-

ज	य	शं	-	क	र	कै	-	ला	-	श	प	ति	-	शि	व
रे	म	प	सां	ध्	ध्	प	-	म	प	ध्	प	ग्	-	रे	सा
×				०				×				०			

प	र	म	ब्र	हं	-	म	स	दा	-	अ	वि	ना	-	शी	-
रे	रे	म	म	प	प	ध्	प	सां	नि्	ध्	प	म	ग्	रे	सा
×				०				×				०			

अंतरा :-

अं	-	ग	वि	भू	-	ति	ग	ले	-	मुं	ड	मा	-	ला	-
ध्	म	प	ध्	सां	-	सां	सां	रें	गं्	रें	सां	रें	नि्	ध्	प
×				०				×				०			

शी	-	श	ज	टा	-	ज	ल	गं	-	ग	वि	ला	-	सी	-
प	गं्	रें	सां	रें	नि्	ध्	प	म	प	ध्	प	ग्	-	रे	सा
×				०				×				०			

(६)

राग : भैरवी

थाट : भैरवी

विकृत स्वर : रिषभ, गांधार, धैवत और निषाद कोमल

वर्जित स्वर : *

जाति : संपूर्ण

गायन-समय : प्रातःकाल

वादी स्वर : मध्यम

संवादी स्वर : षडज

आरोह : सा रे् ग् म प ध् नि् सां

अवरोह : सां नि् ध् प म ग् रे् सा

पकड़ : म ग् सा रे् सा ध़् नि़् सा

स्वरमालिका

ताल : भजनी / कहरवा

स्थायी :-

सा	ध्	प	ध्	म	प	ग्	म	प	ध्	प	म	ग्	रे्	सा	-
×				०				×				०			

नि़्	सा	ग्	म	प	ध्	म	प	नि़्	ध्	प	म	ग्	रे्	सा	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

ध्	म	ध्	नि्	सां	-	सां	सां	ध्	नि्	सां	रें्	नि्	सां	सां	-
×				०				×				०			

प	ध्	नि्	सां	नि्	ध्	प	म	ग्	म	प	म	ग्	रे्	सा	-
×				०				×				०			

	दुर्गा वंदना **ताल : भजनी और राग : भैरवी**
*	जय दुर्गे दुर्गतिपरिहारिणी शुंभविदारिणी मात भवानी
*	आदिशक्ति परब्रह्मस्वरूपिणी जगजननी चहुं वेद बखानी
*	ब्रह्मा शिव हरि अर्चन कीनो ध्यान धरत सुर नर मुनि ज्ञानी
*	अष्टभुजा कर खड़ग बिराजे सिंह सवार सकल वरदानी
*	'ब्रह्मानंद' शरण में आयो भवभय नाश करो महारानी

स्थायी :-

ज	य	दु	-र्	गे	-	दु	-र्	ग	ति	प	रि	हा	-	रि	णी
सा	ध्	प	ध्	म	प	ग्	म	प	ध्	प	म	ग्	रे्	सा	सा
×				०				×				०			

शुं	-	भ	वि	दा	-	रि	णी	मा	-	त	भ	वा	-	नी	-
नि्	सा	ग्	म	प	ध्	म	प	नि्	ध्	प	म	ग्	रे्	सा	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

आ	-	दि	श	-क्	ति	प	र	ब्र	हं	म	स्व	रू	-	पि	णी
ध्	म	ध्	नि्	सां	सां	सां	सां	ध्	नि्	सां	रें्	नि्	सां	सां	सां
×				०				×				०			

ज	ग	ज	न	नी	-	च	हुं	वे	-	द	ब	खा	-	नी	-
प	ध्	नि्	सां	नि्	ध्	प	म	ग्	म	प	म	ग्	रे्	सा	-
×				०				×				०			

(७)

राग : भैरव

थाट : भैरव

विकृत स्वर : रिषभ और धैवत कोमल

वर्जित स्वर : *

जाति : संपूर्ण

गायन-समय : प्रातःकाल

वादी स्वर : धैवत

संवादी स्वर : रिषभ

आरोह : सा रे् ग म प ध् नि सां

अवरोह : सां नि ध् प म ग रे् सा

पकड़ : सा ग म प ध् प

स्वरमालिका

ताल : भजनी / कहरवा

स्थायी :-

सा	सा	ध्	ध्	प	प	ध्	म	ध्	ध्	प	ध्	म	प	म	ग
×				०				×				०			

म	ग	रे्	सा	ग	ग	म	प	म	ग	म	ग	रे्	रे्	सा	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

म	म	प	प	ध्	ध्	नि	नि	सां	-	सां	सां	नि	रें्	सां	-
×				०				×				०			

रें्	सां	नि	ध्	प	प	ध्	प	म	ग	म	ग	रे्	रे्	सा	-
×				०				×				०			

	भजन **ताल : भजनी और राग : भैरव**
*	कर्म कर्म क्या गावे मूरख पुरुषारथ कर होय सुखारो
*	परमेश्वर की वस्तुन माहीं सब का है सम भाग तुमारो
*	इक भोगे इक तरसे मन में पुरुषारथ बिन जीव दुखारो
*	आलस से निर्धन जन होवे कर्मन का नहीं दोष विचारो
*	'ब्रह्मानंद' करो पुरुषारथ ले करके जगदीश सहारो

स्थायी :-

क	-र्	म	क	-र्	म	क्या	-	गा	-	वे	-	मू	-	र	ख
सा ×	-	ध्	ध्	प ०	प	ध्	म	ध् ×	-	प	ध्	म ०	प	म	ग

पु	रु	षा	-	र	थ	क	र	हो	-	य	सु	खा	-	रो	-
म ×	ग	रे्	सा	ग ०	ग	म	प	म ×	ग	म	ग	रे् ०	-	सा	-

अंतरा :-

प	र	मे	-	श्व	र	की	-	व	-स्	तु	न	मा	-	हीं	-
म ×	म	प	-	ध् ०	ध्	नि	-	सां ×	-	सां	सां	नि ०	रें्	सां	-

स	ब	का	-	है	-	स	म	भा	-	ग	तु	मा	-	रो	-
रें् ×	सां	नि	ध्	प ०	-	ध्	प	म ×	ग	म	ग	रे् ०	-	सा	-

गीत - १

(१)

	साांई भजन गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह
*	ॐ साांई ॐ साांई ॐ साांईराम जय-जय साांई जय-जय साांई जय-जय साांईराम
*	परमकृपालू है तेरा नाम तू ही रहीम और तू ही राम
*	जीवन नैया बीच तूफ़ान पार लगाओ हे साांईराम
*	सुख हो या दुख धर लो ध्यान लेते रहो सब साांई का नाम

ताल : कहरवा

स्थायी :-

ग	सा	प़	सा	ग	सा	प़	सा	ग	रे	सा	ध़	सा	-	-	-
×				०				×				०			

ग	सा	प़	सा	ग	सा	प़	सा	ग	रे	सा	ध़	सा	-	रे	ग
×				०				×				०			

ओ -	-म	सां	ई	ओ	-म	सां	ई	ओ	-म	सां -	ई	रा	-	-	-म
ग रे	सा	सा	सा	रे	सा	ध़	प़	ग	रे	ग रे	सा	सा	-	-	-
×				०				×				०			

जय	जय	सां	ई	जय	जय	सां	ई	जय	जय	सां -	ई	रा	-	-	-म
ग्	ग्	ग्	रे	ग्	रे	सा	रे	ग	रे	ग रे	सा	सा	-	-	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

ग	सा	प़	सा	ग	सा	प़	सा	ग	रे	सा	ध़	सा	-	-	-
×				०				×				०			

ग	सा	प़	सा	ग	सा	प़	सा	ग	रे	सा	ध़	सा	-	रे	ग
×				०				×				०			

प	र	म	कृ	पा	-	लू	-	है	-	ते -	रा	ना	-	-	-म
ग	ग	ग	ग	प	ग	सा	रे	ग्	रे	ग रे	सा	सा	-	-	-
×				०				×				०			

तू	-	ही	र	ही	-म	औ	र	तू	-	ही -	-	रा	-	-	-म
प	-	सां	नि	ध	प	प	ध	नि्	ध	नि ध	प	प	-	-	-
×				०				×				०			

तू	-	ही	र	ही	-म	औ	र	तू	-	ही -	-	रा	-	- -	-म
प	-	सां	नि	ध	प	प	ध	नि्	ध	नि ध	प	प	-	ग रे	सा
×				०				×				०			

(२)

	सांई भजन गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह
*	सांईराम सांईराम जय सांईराम प्यार से बोलो जय सांईराम
*	सब का मालिक एक ही मान कहता सब को जय सांईराम
*	श्रद्धा सबूरी का पैग़ाम देता सब को जय सांईराम
*	सब के दिल में है भगवान दिल में ही ढूंढो जय सांईराम

ताल : कहरवा

स्थायी :-

नि़	सा	-	-	रे	सा	रे	सा	नि़	सा	-	-	प़	ध़	नि़	सा
×				०				×				०			

नि़	सा	-	-	रे	सा	रे	सा	नि़	सा	-	-	प़	ध़	नि़	सा
×				०				×				०			

सां	ई	रा	-म	सां	ई	रा	-म	ज	-य	सां	ई	रा	-	-	-म
सा	सा	सा	-	रे	रे	सा	नि़	ध़	-	नि़	नि़	सा	प़	ध़	नि़
×				०				×				०			

सां	ई	रा	-म	सां	ई	रा	-म	ज	-य	सां	ई	रा	-	-	-म
सा	सा	सा	-	रे	रे	सा	नि़	ध़	-	नि़	नि़	सा	-	-	-
×				०				×				०			

प्या	-	र	से	बो	-	लो	-	ज	-य	सां	ई	रा	-	-	-म
प	ध	प	म	ग	रे	सा	नि़	ध़	-	नि़	नि़	सा	प़	ध़	नि़
×				०				×				०			

अंतरा :-

नि	सां	-	-	रें	सां	रें	सां	नि	सां	-	-	प	ध	नि	सां
×				०				×				०			

नि	सां	-	-	रें	सां	रें	सां	नि	सां	-	-	प	ध	नि	सां
×				०				×				०			

स	ब	का	-	मा	-	लि	-क	ए	-	क	ही	मा	-	-	-न
सां	नि	सां	ध	नि	प	ध	-	ग	-	म	ध	प	-	-	-
×				०				×				०			

क	ह	ता	-	स	ब	को	-	ज	-य	सां	ई	रा	-	-	-म
प	ध	प	म	ग	रे	सा	नि़	ध़	-	नि़	नि़	सा	प़	ध़	नि़
×				०				×				०			

(३)

	सांई भजन गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह
*	जबसे सांई तू है मिला तब से दिल का फूल खिला
*	दुश्मन से भी प्यार किया नाहीं कोई शिकवा गिला
*	कोई पत्थर फेंके तो उसको दें हम गुल का सिला
*	तुझको ढूंढा कहां-कहां आख़िर सब के दिल में मिला

ताल : दादरा

स्थायी :-

प	ग	प	-	-	-	म	ग	म	-	-	-
×			०			×			०		

ग	रे	ग	-	-	-	रे	ऩि	रे	सा	-	-
×			०			×			०		

जब	से	-	सां	ई	-	तू	है	- मि	ला	-	-
सा	सा	-	ऩि	ऩि	-	ध़	ध़	- प़	सा	-	-
×			०			×			०		

तब	से	-	दिल	का	-	फू	-	ल खि	ला	-	-
रे	रे	-	ग	ग	-	रे	-	- ऩि	सा	-	-
×			०			×			०		

अंतरा :-

प ग	प ग	प ग	प	-	ध	प ध	प ध	प	ग	म	प
×			०			×			०		

प ग	प ग	प ग	प	-	ध	प ध	प ध	प	ग	म	प
×			०			×			०		

दुश्	मन	-	से	भी	-	प्या	-	र कि	या	-	-
प	प	-	म	म	-	ग	-	- म	रे	-	-
×			०			×			०		

ना	हीं	-	को	ई	-	शिक	वा	- गि	ला	-	-
सा	सा	-	ऩि	ऩि	-	ध़	ध़	- प़	सा	-	-
×			०			×			०		

(४)

	ग़ज़ल गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : प्रकाश कपूर
*	चहेरा ऊपर चहेरो छे सच्चाई पर पहेरो छे
*	आ नदीओनी महेरो छे तेथी सागर गहेरो छे
*	कहेनारा सौ मुंगा छे सांभळनारो बहेरो छे
*	हसता चहेरा पर ना जाव दिलनो घा तो गहेरो छे

ताल : दादरा

स्थायी :-

चहे	रा	-	ऊ	पर	-	चहे	रो	-	छे	-	-
सा ×	ग	-	रे ०	म	-	ग ×	प	ध	प ०	-	-

सच्	चा	-	ई	पर	-	पहे	रो	-	छे	-	-
ध ×	म	-	प ०	ग	-	म ×	रे	ग	सा ०	-	-

अंतरा :-

ग ×	प	सां	नि ०	ध	प म	ध ×	-	-	- ०	-	प

ग ×	प	सां	नि ध ०	प म	ग म	प ×	-	ध	प ०	-	-

आ	न	दी	ओ	नी	-	महे	रो	-	छे	-	-
ग ×	प	प	म ०	ध	-	प ×	नि	ध	सां ०	-	-

आ	न	दी	ओ	नी	-	महे	रो	-	छे	-	-
ग ×	प	प	म ०	ध	-	प ×	नि	रें	सां ०	-	-

ते	थी	-	सा	गर	-	गहे	रो	-	छे	-	-
ध ×	म	-	प ०	ग	-	म ×	रे	ग	सा ०	-	-

(५)

	ग़ज़ल गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : ‘जय’ नायक
*	थोडा संबंधोमां अटवायो छे माणस टुकडे-टुकडे जाणे वहेंचायो छे माणस
*	दुनियानी आ भीडे भींसायो छे माणस भींसायानी चीसे संभळायो छे माणस
*	डुंगर जेवा दुःखनो बोजो तोये हसतो टेवायो छे तेथी सहेवायो छे माणस
*	तोली मापी आंकी जोशो शुं ए मळशे माणसने ‘जय’ क्यारे समझायो छे माणस

ताल : कहरवा

स्थायी :-

थो	डा	सं	बं	धो	मां	-	-	अट	वा	यो	छे	मा	णस	-	-
ग	ग	ग	ग	म	ग	-	-	म	ग	रे	सा	ऩि	रे	-	-
×				०				×				०			

टुक	डे	टुक	डे	जा	णे	-	-	व्हें	चा	यो	छे	मा	णस	-	-
ऩि	ऩि	सा	रे	रे॒	रे	-	-	म	ग	रे	सा	ऩि	सा	-	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

प	-	-	-	-	ग	म	ग	प	-	-	-	-	ग	म	प
×				०				×				०			

ध	-	-	-	-	-	प	ध	नि	-	-	सां	ध	-	म	-
×				०				×				०			

प	-	-	म	ग	म	प	-
×				०			

दुनि	या	नी	आ	भी	डे	-	-	भीं	सा	यो	छे	मा	णस	-	-
प	प	ध	प	म्	प	-	-	ग	म	सां	नि	ध	ध	-	-
×				०				×				०			

भीं	सा	या	नी	ची	से	-	-	सं	भ्ळा	यो	छे	मा	णस	-	-
ऩि	ऩि	सा	रे	रे्	रे	-	-	म	ग	रे	सा	ऩि	सा	-	-
×				०				×				०			

(६)

	भजन गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : खालस
*	नाम जपन क्यूं छोड़ दिया
*	क्रोध न छोड़ा झूट न छोड़ा सत्यवचन क्यूं छोड़ दिया
*	झूटे जग में दिल ललचा कर असल वतन क्यूं छोड़ दिया
*	कौड़ी को तो खूब संभाला लाल रतन क्यूं छोड़ दिया
*	जिहि सुमिरन ते अति सुख पावे सो सुमिरन क्यूं छोड़ दिया
*	'खालस' इक भगवान भरोसे तन मन धन क्यूं छोड़ दिया

ताल : कहरवा

स्थायी :-

ना	-	म	ज	प	न	क्यूं	-	छो	-	ड़	दि	या	-	-	-
ध़ ×	सा	सा	सा	सा ०	सा	सा	रे	ग ×	-	म	ग	रे ०	-	-	-

ना	-	म	ज	प	न	क्यूं	-	छो	-	ड़	दि	या	-	-	-
प ×	-	ध	प	म ०	ग	सा	रे	ग ×	-	रे	रे	सा ०	-	-	-

अंतरा :-

सां	-	सां	सां	सां	प	ग	प	सां	-	सां	सां	सां	प	ग	प
×				०				×				०			

ध	-	ध	ध	ध	-	म	ध	प	-	प	प	प	ध	नि	सां
×				०				×				०			

क्रो	-	ध	न	छो	-	ड़ा	-	झू	-	ट	न	छो	-	ड़ा	-
सां	-	सां	सां	सां	-	सां	-	नि्	-	सां	नि्	ध	प	प	-
×				०				×				०			

स	-त्	य	व	च	न	क्यूं	-	छो	-	ड़	दि	या	-	-	-
प	-	ध	प	म	ग	सा	रे	ग	-	रे	रे	सा	-	-	-
×				०				×				०			

स	-त्	य	व	च	न	क्यूं	-	छो	-	ड़	दि	या	-	-	-
ध़	सा	सा	सा	सा	सा	सा	रे	ग	-	म	ग	रे	-	-	-
×				०				×				०			

ना	-	म	ज	प	न	क्यूं	-	छो	-	ड़	दि	या	-	-	-
प	-	ध	प	म	ग	सा	रे	ग	-	रे	रे	सा	-	-	-
×				०				×				०			

(७)

	प्रार्थना गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : शांतिलाल शाह
*	प्रभु तारुं गीत मारे गावुं छे प्रेमनुं अमृत पावुं छे
*	थाय जीवनमां तडका ने छाया मांगुं हुं तारी एक ज माया भक्तिना रसमां न्हावुं छे
*	भवसागरमां नाव झुकावी त्यां तो भयानक आंधी चढी आवी सामे किनारे मारे जावुं छे
*	तुं वितरागी हुं अनुरागी तारा जीवननी रट मने लागी प्रभु तारा जेवुं मारे थावुं छे

ताल : कहरवा

स्थायी :-

प्र	भु	ता	रुं	गी	-त	मा	रे	गा	-	वुं	-	छे	-	-	-
सा ×	रे	सा	ऩि	सा ०	-	रे	प	ग् ×	रे	सा	ऩि	सा ०	-	-	-

प्रे	-	म	नुं	अ	म	रु	त	पा	-	वुं	-	छे	-	-	-
ग् ×	म	प	नि	नि ०	सां	सां	सां	नि ×	सां	प	म	ग् ०	-	-	-

प्रे	-	म	नुं	अ	म	रु	त	पा	-	वुं	-	छे -	- -	-	-
ग् ×	म	प	नि	नि ०	सां	सां	सां	नि ×	सां	प	म	ग् प ०	म ग्	रे	सा

अंतरा :-

ग्	ग्	ग्	रे	ग्	ग्	ग्	रे	ग्	रे	सा	ग्	रे	-	-	-
×				०				×				०			

ऩि	ऩि	ऩि	प़	ऩि	ऩि	सा	प	ग्	रे	सा	ऩि	सा	-	-	-
×				०				×				०			

था	-	य	जी	व	न	मां	-	त	ड	का	ने	छा	-	या	-
ग्	म	प	नि	सां	नि	सां	-	नि	नि	सां	गं्	रें	सां	सां	-
×				०				×				०			

मां	-	गुं	हुं	ता	-	री	-	ए	-	क	ज	मा	-	या	-
गं्	-	रें	सां	गं्	रें	रें	-	नि	-	सां	गं्	रें	सां	सां	-
×				०				×				०			

भ	-क्	ति	ना	र	स	मां	-	न्हा	-	वुं	-	छे	-	-	-
नि	-	सां	सां	नि	सां	प	म	ग्	-	म	प	म	-	-	-
×				०				×				०			

भ	-क्	ति	ना	र	स	मां	-	न्हा	-	वुं	-	छे -	- -	-	-
नि	-	सां	सां	नि	सां	प	म	ग्	-	म	प	ग् प	म ग्	रे	सा
×				०				×				०			

गीत - २

(१)

	सांई भजन गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह
*	खोया-खोया रहता हूं सांई-सांई करता हूं मस्त-मगन मैं रहता हूं सांई-सांई करता हूं
*	दुनिया से हो करके दूर भक्ति की मस्ती में चूर तेरी राह पे चलता हूं सांई-सांई करता हूं
*	दिन में मुझको चैन कहां रातों में भी नींद कहां जागा-जागा रहता हूं सांई-सांई करता हूं
*	देखा मैंने यहां-वहां तुझको अब मैं ढूंढूं कहां गली-गली में फिरता हूं सांई-सांई करता हूं

ताल : कहरवा

स्थायी :-

सा	रे	ग्	म	प	-	-	-	प	म	ग्	रे	ग्	रे	सा	-
×				०				×				०			

सा	रे	ग्	म	प	-	-	-	प	म	ग्	रे	ग्	रे	सा	प
×				०				×				०			

खो	या	खो	या	रह	ता	हूं	-	सां	ई	सां	ई -	कर	ता	हूं	-
प	प	म	म	ग्	ग्	रे	ग्	म	ग्	रे	ग् रे	सा	सा	सा	-
×				०				×				०			

मस्	तम	गन	मैं	रह	ता	हूं	-	सां	ई	सां	ई -	कर	ता	हूं	-
प	प	म	म	ग्	ग्	रे	ग्	म	ग्	रे	ग् रे	सा	सा	सा	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

प	- नि्	-	नि्	सां	-	-	-	नि्	- सां	-	नि्	ध	-	-	-
×				०				×				०			

म	- ध	-	नि्	सां	नि्	ध प	म ग्	प	-	-	-	प	ध	नि्	सां
×				०				×				०			

दुनि	या	से	हो	क र	के -	दू	-र	भक्	ति	की	मस्	ती	में -	चू	-र
सां	सां	सां	सां	नि् सां	गं् रें	सां	-	ध	ध	ध	नि्	सां	नि् ध	प	-
×				०				×				०			

ते	री	रा	हपे	चल	ता	हूं	-	सां	ई	सां	ई -	कर	ता	हूं	-
प	प	म	म	ग्	ग्	रे	ग्	म	ग्	रे	ग् रे	सा	सा	सा	-
×				०				×				०			

(२)

	सांई भजन गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह
*	सांई तुझसे नाता जोड़ा झूटे जग से रिश्ता तोड़ा
*	पापों के अंधियारे पथ से तूने मेरा जीवन मोड़ा
*	दुख की तो फ़रियाद नहीं है लेकिन भर दो सुख भी थोड़ा
*	सब का मालिक एक बता कर तूने सब के दिल को जोड़ा

ताल : दादरा

स्थायी :-

ध़	सा	-	रे	सा	-	ग रे	सा	-	ग रे	सा	-
×			०			×			०		

रे	म	-	प	म	-	ध प	म	-	ध प	म	-
×			०			×			०		

ध़	सा	-	रे	सा	-	ग रे	सा	-	ग रे	सा	-
×			०			×			०		

सां -	ई	-	तुझ	से	-	ना -	ता	-	जो	ड़ा	-
सा ध़	ध़	सा	सा	सा	-	रे ग	रे	सा	रे	ग	-
×			०			×			०		

झू	टे	-	जग	से	-	रिश्	ता	-	तो -	ड़ा	-
ग	ग	प	प	प	ध	रे	रे	ग	रे सा	सा	-
×			०			×			०		

अंतरा :-

ध़	सा	-	रे	सा	-	ग रे	सा	-	ग रे	सा	-
×			०			×			०		

रे	म	-	प	म	-	ध प	म	-	ध प	म	-
×			०			×			०		

ध़	सा	-	रे	सा	-	ग रे	सा	-	ग रे	सा	-
×			०			×			०		

पा	पों	-	के	-	अंधि	या	रे	-	प थ	से	-
ग	प	सां	सां	-	सां	नि	सां	नि	ध प	प	-
×			०			×			०		

तू	ने	-	मे -	रा	-	जी -	वन	-	मो	ड़ा	-
प	ध	प	म ग	रे	-	रे ग	रे	सा	रे	ग	-
×			०			×			०		

(३)

	ग़ज़ल **गायक : उदय शाह** **संगीत-रचना : उदय शाह** **शब्द-रचना : 'सागर' नवसारवी**
*	**होय कंई ने आंखने देखाय कंई** **थाय कंई ने लोकमां चर्चाय कंई**
*	**सौनी मतलबनो अरथ काढे सहु** **एनुं कहेवुं होय कंई समजाय कंई**
*	**कोने शुं गमशे आ जगमां शुं खबर** **वेचवुं छे कांई ने वेचाय कंई**
*	**केटली विषम छे 'सागर' जिंदगी** **जीववुं छे कांई ने जीवाय कंई**

ताल : रूपक

स्थायी :-

हो	-	य	कं	ई	ने	-	आं -	-	ख	ने	-	-	दे
सा	-	ऩि	सा	सा	सा	-	रे सा	ऩि	ध़	ध़	-	-	ध़
×			१		२		×			१		२	

खा	-	य -	कं	ई	-	-
रे	-	ग रे	सा	सा	-	-
×			१		२	

था	-	य	कं	ई	ने	-	लो -	- -	क	मां	-	-	चर्
म	-	ग	म	म	म	-	ग रे	सा ऩि	ध़	ध़	-	-	ध़
×			१		२		×			१		२	

चा	-	य -	कं	ई	-	-
रे	-	ग रे	सा	सा	-	-
×			१		२	

हो	-	य	कं -	ई	ने	-
सा	-	रे	ग रे	सा	सा	-
×			१		२	

अंतरा :-

प	-	-	-	ग	म	ग	प	-	-	-	-	रे	ग
×			१		२		×			१		२	

म	-	-	-	ग	रे	सा	ऩि	-	-	-	-	ध़	ऩि
×			१		२		×			१		२	

सा	-	-	रे	-	ग	-
×			१		२	

सौ -	-	नी	म	त	ल	ब	नो -	- -	अ	र	थ	-	का
ग म	प	प	प	प	प	प	ध प	म ग	रे	रे	रे	-	म
×			१		२		×			१		२	

ढे -	-	स	हु	-	-	-
ग रे	सा	रे	सा	-	-	-
×			१		२	

ए	-	नुं	क	हे	वुं	-	हो -	-	य	कं	ई	-	सम
सा	-	ऩि	सा	सा	सा	-	रे सा	ऩि	ध़	ध़	ध़	-	ध़
×			१		२		×			१		२	

झा	-	य -	कं	ई	-	-
रे	-	ग रे	सा	सा	-	-
×			१		२	

था	-	य	कं	ई	ने	-	लो -	- -	क	मां	-	-	चर्
म	-	ग	म	म	म	-	ग रे	सा ऩि	ध़	ध़	-	-	ध़
×			१		२		×			१		२	

चा	-	य -	कं	ई	-	-
रे	-	ग रे	सा	सा	-	-
×			१		२	

हो	-	य	कं -	ई	ने	-
सा	-	रे	ग रे	सा	सा	-
×			१		२	

(४)

	धून गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना :
⁕	श्री राम जय राम जय जय राम
⁕	रघुपति राघव राजा राम पतीत-पावन सीता-राम
⁕	ईश्वर-अल्ला तेरे नाम सबको सन्मति दे भगवान

ताल : भजनी   और   राग : भैरवी

स्थायी :-

सा ×	रे॒	सा	-	ग॒ ०	रे॒	सा	-	प ×	म	ग॒	रे॒	ग॒ ०	रे॒	सा	-

सा ×	रे॒	सा	-	ग॒ ०	रे॒	सा	-	प ×	म	ग॒	रे॒	ग॒ ०	रे॒	सा	-

श्री	रा -म	जय	रा -म	जय	ज य	रा	-म
सा ×	सा रे॒	सा	नि॒	सा ०	सा रे॒	ग॒	-

श्री	रा -म	जय	रा -म	जय	जय	रा	-म
रे॒ ×	रे॒ म	ग॒	रे॒	सा ०	सा	सा	-

अंतरा :-

सा ×	रे॒	सा	-	ग॒ ०	रे॒	सा	-	प ×	म	ग॒	रे॒	ग॒ ०	रे॒	सा	-

सा ×	रे॒	सा	-	ग॒ ०	रे॒	सा	-	प ×	म	ग॒	रे॒	सा ०	रे॒	ग॒ म	प

रघु	पति	रा	घ व	रा -	जा -	रा	-म
प ×	प	प	प म	म ध॒ ०	ध॒ प	प	-

श्री	रा -म	ज य	रा -म	जय	जय	रा	-म
नि॒ ×	नि॒	ध॒ नि॒	ध॒ प	प ०	प	प	-

पती	-त	पा	वन	सी	ता	रा	-म
ध॒ ×	ध॒	ध॒	ध॒	प ०	प	म	ग॒

श्री -	रा -म	ज य	रा -म	जय	जय	रा	-म
रे॒ म ×	ग॒	रे॒ ग॒	रे॒	सा ०	सा	सा	-

(५)

	गरबो **गायक : उदय शाह** **संगीत-रचना : उदय शाह** **शब्द-रचना :**
*	**टीलडी रे, मारी अंबे माने शोभती** **केवी में तो, टीलडी घडावी मारी अंबे मा**
*	**टीलडी घडाववा हुं तो सोनी घेर ग्यो'तो** **सोनीडाए, घाट रुडा घड्या मारी अंबे मा**
*	**टीलडी घडाववा हुं झवेरी घेर ग्यो'तो** **झवेरीए, हीरा-मोती जड्या मारी अंबे मा**
*	**टीलडी लईने हुं अंबाजी धाम ग्यो'तो** **अंबे माना, मंदिरे चढावी मारी अंबे मा**
*	**माता तारी टीलडीए सौनां मन मोहयां** **भक्तोनां, अंतरिया खोल्या मारी अंबे मा**

ताल : हींच

स्थायी-अंतरा :-

टी	ल डी	-	रे	- मा	री	अं बे	- मा	ने	शो -	भ ती	-
सा	सा रे	-	ग	- रे	सा	ध़ ध़	- रे	रे	ग रे	सा सा	-
×			०			×			०		

टी	ल डी	-	रे	- मा	री	अं बे	- मा	ने	शो -	भ ती	-
सा	सा रे	ग	म	ग रे	सा	ध़ ध़	- रे	रे	ग रे	सा सा	-
×			०			×			०		

के वी	- में	तो	-	- -	-	के वी	- में	तो	-	- -	-
ग म	प प	प	प	प प	प	ध प	- ध	प	प	प प	प
×			०			×			०		

के वी	- में	तो	टी	ल डी	- घ	डा	वी मा	री	अं	बे मा	- -
ग म	प प	प	ध	प म	- ग	रे	ग म	म	ग	रे ग	रे सा
×			०			×			०		

टी	ल डी	-	रे	- -	-
सा	सा रे	ग	रे	ग रे	ग
×			०		

टी	ल डी	-	रे	- मा	री	अं बे	- मा	ने	शो -	भ ती	-
सा	सा रे	ग	रे	- सा	सा	ध़ ध़	- रे	रे	ग रे	सा सा	-
×			०			×			०		

टी	ल डी	-	रे	- मा	री	अं बे	- मा	ने	शो -	भ ती	-
सा	सा रे	ग	म	ग रे	सा	ध़ ध़	- रे	रे	ग रे	सा सा	-
×			०			×			०		

(६)

	भजन गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : ब्रह्मानंद
*	क्या पानी में मल-मल न्हावे मन की मैल उतार पियारे
*	हाड़-मांस की देह बनी है झरे सदा नव द्वार पियारे
*	पाप-करम तन के नहीं छोड़े कैसे होय सुधार पियारे
*	सतसंगत तीरथ जल निरमल नित उठ गोता मार पियारे
*	'ब्रह्मानंद' भजन कर हरि का जो चाहे निस्तार पियारे

ताल : दीपचन्दी   और   राग : भैरवी

स्थायी :-

क्या	-	-	-	-	पा	-	नी	-	-	में	-	-	-
सा	-	नि्	सा	-	रे्	-	ग्	-	-	प	-	म	-
×			२				०			३			

म	ल	-	म	-	ल	-	न्हा	-	-	वे	-	-	-
ग्	ग्	रे्	ग्	रे्	रे्	सा	सा	-	-	सा	-	-	-
×			२				०			३			

म	न	-	की	-	-	-	मै	-	-	ल	-	-	उ
प	प	-	प	-	-	-	ध्	प	म	म	-	-	म
×			२				०			३			

ता	-	-	र	-	-	पि	या	-	-	रे	-	-	-
ग्	म	ग्	प	म	ग्	ग्	रे्	-	-	सा	-	-	-
×			२				०			३			

अंतरा :-

प	-	-	प	-	ध्	-	प	-	-	प	-	प	म
×			२				०			३			

म	-	-	म	ग्	प	म	म	-	-	म	-	म	-
×			२				०			३			

म्	-	-	म	-	ग्	रे्	म	ग्	रे्	सा	ग्	प	-
×			२				०			३			

हा	-	-	ड़	-	मां	-	-	स	-	की	-	-	-
प	-	-	प	-	प	-	-	ध्	प	म	-	-	-
×			२				०			३			

दे	-	-	ह	-	-	ब	नी	-	-	है	-	-	-
प	-	-	ध्	-	सां	सां	नि्	ध्	प	प	-	-	-
×			२				०			३			

झ	रे	-	-	-	-	स	दा	-	-	-	-	न	व
प	प	-	-	-	-	प	ध्	प	म	-	-	म	म
×			२				०			३			

द्वा	-	-	र	-	-	पि	या	-	-	रे	-	-	-
ग्	म	ग्	प	म	ग्	ग्	रे्	-	-	सा	-	-	-
×			२				०			३			

(७)

	ग़ज़ल गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : फाल्गुनी 'आरझू'
*	मने श्वासना खूटतां रण खबर छे हुं खोदी रही ए ज मारी कबर छे
*	मरणना तलाशो न कारण हवे तो भराया नहीं ए जखमनी असर छे
*	के फरियाद मारे हवे केम करवी करी लागणीमां अजब करकसर छे
*	डरावो नहीं 'आरझू'ने हवे तो जगतना डरोथी बनी ए निडर छे

ताल : झपताल और राग : यमन

स्थायी :-

म	ने	-	श्वा	-	स	ना	-	खू	-
ग	ग ×	रे	रे २	सा	सा	सा ०	-	सा ३	-

ट	तां	-	र	ण	ख	ब -	र	छे	-
सा	ऩि ×	-	रे २	रे	रे	ग रे ०	सा	सा ३	-

हुं	खो	-	दी	-	र	ही	-	ए	-
रे	ग ×	-	ग २	रे	ग	म॒ ०	-	म॒ ३	ग

ज	मा	-	री	-	क	ब -	र	छे	-
म॒	म॒ ×	प	प २	-	रे	ग रे ०	सा	सा ३	-

अंतरा :-

प	-	म्	ग	रे	म्	-	ग	रे	सा
×		२			०		३		

ग	-	रे	ऩि	रे	सा	-	ग	म्	प
×		२			०		३		

प	-	म्	ग	रे	म्	-	ग	रे	सा
×		२			०		३		

ग	-	रे	ऩि	रे	सा	-	ग	म्
×		२			०		३	

म	र	ण	नां	-	त	ला	-	शो	-
ग	म्	ध	ध	म्	ध	ध	नि	नि	ध
	×		२			०		३	

न	का	-	र	ण	ह	वे	-	तो	-
ध	नि	सां	सां	सां	सां	नि	रें	सां	-
	×		२			०		३	

भ	रा	-	या	-	न	हीं -	-	ए	-
सां	नि	सां	नि	ध	ध	नि ध	प	प	-
	×		२			०		३	

ज	ख	म	नी	-	अ	स	र	छे	-
प	म्	प	म्	ग	म्	म्	प	प	-
	×		२			०		३	

ज	ख	म	नी	-	अ	स -	र	छे	-
प	म्	ग	ग	रे	रे	ग रे	सा	सा	-
	×		२			०		३	

गीत - ३

(१)

	ग़ज़ल गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह
*	सब की बातें सुनता हूं अपने ही दिल की करता हूं
*	अपना है अंदाज़ अलग राह नयी इक चलता हूं
*	रुकना तो आदत ही नहीं दरिया हूं मैं बहता हूं
*	सब को बांटुं सभी ख़ुशी अपना ग़म ख़ुद सहता हूं
*	ऐसे मक़ाम पे पहुंचा हूं रोता हूं ना हंसता हूं

ताल : कहरवा

स्थायी :-

सा	-	-	-	रे	-	ग	-	म	-	-	-	-	-	ध	-	प	-	-	-	म	ग	रे	सा
×				०				×				०				×				०			

स	ब	की	-	बा	-	तें	-	सु	न	ता	-	हूं	-	-	-
सा	रे	ग	म	रे	ग	म	प	ग	म	प	ध	प	-	-	-
×				०				×				०			

अ	प	ने	ही	दि	ल	की	-	क	र	ता	-	हूं	-	-	-
सां	नि	ध	प	नि	ध	प	म	ध	प	म	ग	प	-	-	-
×				०				×				०			

अ	प	ने	ही	दि	ल	की	-	क	र	ता	-	हूं	-	-	-
सां	नि	ध	प	नि	ध	प	म	ध	प	म	ग	प	म	ग	रे
×				०				×				०			

अंतरा :-

प	सां	नि	ध	प,	प	ध	प	सां	-	सां	सां	सां,	प	ध	प
×				०				×				०			

सां	-	सां	सां	सां,	प	ध	प	ध	-	ध	ध	ध,	म	ध	म
×				०				×				०			

प	-	प	प	सां	नि	ध	प
×				०			

अ	प	ना	-	है	-	अं	-	दा	-	ज़	अ	ल	ग	-	-
प	ध	नि	सां	ध	नि	सां	रें	नि	सां	रें	गं	सां	-	-	-
×				०				×				०			

रा	-	ह	न	यी	-	इ	क	च	ल	ता	-	हूं	-	-	-
सां	नि	ध	प	नि	ध	प	म	ध	प	म	ग	प	-	-	-
×				०				×				०			

रा	-	ह	न	यी	-	इ	क	च	ल	ता	-	हूं	-	-	-
सां ×	नि	ध	प	नि ०	ध	प	म	ध ×	प	म	ग	प ०	म	ग	रे

(२)

	ग़ज़ल गायक : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह
*	कितनी सुंदर दिखती हो जब तुम प्यार से हंसती हो
*	खेलके मुझसे प्यार का खेल अपने ही जाल में फंसती हो
*	दिल की बात को मान भी लो ना ना ना क्यूं करती हो
*	तेरा है अंदाज़ अजब दिल को जला कर हंसती हो
*	सूरज जैसा रूप तेरा परदे में क्यूं रहती हो

ताल : कहरवा और राग : भीमपलासी

स्थायी :-

सा	-	-	-	सा	-	ऩि॒	सा	म	-	-	-	म	-	म	ग॒
×				०				×				०			

प	-	-	-	प	-	प	-	ग॒	म	ग॒	रे	सा	-	सा	-
×				०				×				०			

कि	त	नी	-	सुं	-	द	र	दि	ख	ती	-	हो	-	-	-
ऩि॒	सा	ग॒	म	प	नि॒	ध	प	म	प	ग॒	म	प	-	-	-
×				०				×				०			

ज	ब	तू	-म	प्या	-	र	से	हं	स	ती	-	हो	-	-	-
ग॒	म	प	नि॒	ध	प	म	प	ग॒	म	ग॒	रे	सा	-	-	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

प	- नि्	-	नि्	सां	-	-	-	प	- नि्	-	रें	सां	-	-	-
×				०				×				०			

गं्	- पं	-	मं	मं	-	मं	-	गं्	मं	गं्	रें	सां	नि्	प	सां
×				०				×				०			

खे	-	ल	के	मु	झ	से	-	प्या	-	र	का	खे	-	-	-ल
प	-	प	प	म	प	ग्	म	प	नि्	गं्	रें	सां	-	-	-
×				०				×				०			

अ	प	ने	ही	जा	-	ल	में	फं	स	ती	-	हो	-	-	-
नि्	सां	नि्	ध	प	ध	म	प	ग्	म	ग्	रे	सा	-	-	-
×				०				×				०			

(३)

	धारा (कविता) गायक : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह
*	पर्वत ऊपर जन्मी धारा सागरमां जई भळती धारा
*	उंचा-नीचा रस्ताओ पर खळ-खळ व्हेती सरिताधारा
*	सुख अने दुःख बंनेथी भरेली सौ कोईनी जीवनधारा
*	जीवता जीवनी कदर न जाणी पछी वहावी आंसूधारा
*	धर्म अलग पण माणस छे ने तो शा माटे लोहीधारा
*	प्रेमथी सौने जीती जाणो सौ धर्मोनी विचारधारा
*	सा रे॒ ग॒ म प ध॒ नि॒ सां, सां नि॒ ध॒ प म ग॒ रे॒ सा सात सूरोनी संगीतधारा

ताल : कहरवा और राग : भैरवी

स्थायी :-

सा ×	रे॒	सा	ग॒	सा ०	रे॒	सा	-	नि॒ ×	सा	ध॒	नि॒	सा ०	-	सा	-

सा ×	रे॒	सा	ग॒	सा ०	रे॒	सा	-	नि॒ ×	सा	ध॒	नि॒	सा ०	सा	सा	-

पर	वत	ऊ	पर	जन्	मी	धा	रा
सा ×	रे॒	सा	ग॒	रे॒ ०	सा	नि॒	नि॒

सा	गर	मां	जई	भळ	ती	धा	रा
नि॒ ×	सा	नि॒	रे॒	सा ०	सा	सा	सा

अंतरा :-

म	-	-	-	म	प	ध्	प	म	-	-	-	म	प	ध्	प
×				०				×				०			

म	ग्	-	-	ग्	म	प	म	ग्	रे्	-	-	म	ग्	रे्	ग् रे्
×				०				×				०			

सा	-	-	-	ग	-	प	ध् प	म	-	-	सा	म	सा	म	-
×				०				×				०			

ऊं	चा	नी	चा	रस्	ता	ओ	पर
म ×	म	प	ग्	म ०	म	म	म

ऊं	चा	नी	चा	रस्	ता -	ओ	पर
म ×	म	प	ग्	म ०	प ध्	प	म

ऊं	चा	नी	चा	रस्	ता	ओ	पर
सां ×	ध्	नि्	प	ध् ०	म	प	म

खळ	खळ	व्हे	ती	सरि	ता	धा	रा
ग् ×	ग्	रे्	सा	ग् ०	ग्	रे्	सा

शेष अंतरे भी इसी प्रकार गाए-बजाए जाएंगे।

अंतिम अंतरे की पहली पंक्ति का स्वरांकन अंतिम अंतरे की पहली पंक्ति के शब्दों में ही निहित है।

(४)

	हालरडुं गायक : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह
*	सूई जा सूई जा सूई जा मारा (मारी) लाडकवाया (लाडकवायी) सूई जा
*	आखो दि' तुं रमतां-रमतां सांजने छेडे थाके तुं जागे तो केम करीने मुजने नींदर आवे नहीं मुजने नींदर आवे सूई जा सूई जा सूई जा मारा (मारी) लाडकवाया (लाडकवायी) सूई जा
*	चांदामामा तारा माटे सुंदर सपना लावे रंगबिरंगी फूलोनां उपवनमां ए लई जाये उपवनमां ए लई जाये सूई जा सूई जा सूई जा मारा (मारी) लाडकवाया (लाडकवायी) सूई जा
*	तारा माटे तारी माता वहेली सवारे जागे आखो दि' बधुं काम करीने ए पण अंते थाके अरे ए पण अंते थाके सूई जा सूई जा सूई जा मारा (मारी) लाडकवाया (लाडकवायी) सूई जा

ताल : कहरवा

स्थायी :-

ध़	सा	रे	ग	म	म	म	-	प	म	ग	रे	सा	सा	सा	-
×				०				×				०			

ध़	सा	रे	ग	म	म	म	-	प	म	ग	रे	ग	रे	सा	-
×				०				×				०			

सू	ई	जा	-	सू	ई	जा	-	सू	ई	जा	-	मा	-	रा	-
ध़	सा	सा	-	सा	सा	सा	रे	ग	म	म	-	म	-	म	-
×				०				×				०			

ला	-	ड	क	वा	-	या	- -	सू	ई	-	-	जा	-	-	-
ग	म	ग	रे	सा	रे	ग	म ग	रे	रे	-	सा	सा	-	-	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

ध़	सा	रे	ग	म	म	म	-	प	म	ग	रे	सा	सा	सा	-
×				०				×				०			

ध़	सा	रे	ग	म	म	म	-	प	म	ग	रे	सा	रे	ग	म
×				०				×				०			

आ	-	खो	-	दि'	-	तुं	-	र	म	तां	-	र	म	तां	-
म	-	म	-	म	-	म	ग	म	प	प	-	प	प	प	म
×				०				×				०			

सां	-	ज	ने	छे	-	डे	-	था	-	के	-	*	*	* *	*
म	ध	ध	नि्	ध	प	प	म	म	ध	प	-	-	-	ध प	म
×				०				×				०			

तुं	-	जा	-	गे	-	तो	-	के	-	म	क	री	-	ने	-
म	-	म	-	म	-	म	ग	म	प	प	प	प	-	प	म
×				०				×				०			

मु	ज	ने	-	नीं	-	द	र	आ	-	वे	-	-	-	न	हीं
म	ध	ध	नि्	ध	प	प	म	म	ध	प	-	-	-	प	म
×				०				×				०			

मु	ज	ने	-	नीं	-	द	र	आ	-	वे	-	*	*	*	*
प	ध	प	म	ग	-	रे	सा	रे	सा	सा	-	ग	रे	सा	-
×				०				×				०			

(५)

	मा (कविता) गायक : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह
⁕	खूब ज प्रेमाळ मारी मा सौथी सुंदर मारी मा
⁕	गुस्से जो थाय तो मारी पण दे पछी रडी पडे मारी मा
⁕	केटकेटलां हुं दुःख आपुं माफ करी दे मारी मा
⁕	देव-देवी ने भगवान शुं छे एनाथी विशेष मारी मा

ताल : कहरवा

स्थायी :-

नि़	-	नि़	रे	सा	-	-	-	नि़	-	नि़	रे	सा	-	-	-
×				०				×				०			

रे	-	रे	ग	रे	-	-	प़	रे	-	रे	ग	रे	-	-	-
×				०				×				०			

नि़	-	नि़	रे	सा	-	-	-	नि़	-	नि़	रे	सा	-	-	-
×				०				×				०			

⁕	खू	ब	ज	प्रे	-	मा	-ळ	⁕	मा	री	-	मा	-	-	-
-	सा	रे	सा	ग	रे	रे	-	-	नि़	नि़	-	सा	-	-	-
×				०				×				०			

⁕	सौ	-	थी	सुं	-	द	-र	⁕	मा	री	-	मा	-	-	-
-	सा	रे	सा	म	ग	ग	-	-	ग	रे	सा	रे	-	-	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

नि़	-	नि़	रे	सा	-	-	-	नि़	-	नि़	रे	सा	-	-	-
×				०				×				०			

रे	-	रे	ग	रे	-	-	प़	रे	-	रे	ग	रे	-	-	-
×				०				×				०			

नि़	-	नि़	रे	सा	-	-	-	नि़	-	नि़	रे	सा	-	-	-
×				०				×				०			

⁕	गुस्	से	जो	था	-य	तो	-	⁕	मा	-	री	प -	ण	दे	-
-	ग	म	ग	प	-	प	-	-	प	-	ध	नि ध	प	प	-
×				०				×				०			

⁕	प	छी	र	डी	-	प	डे	⁕	मा	री	-	मा	-	-	-
-	सा	रे	सा	ग	रे	रे	रे	-	नि़	नि़	-	सा	-	-	-
×				०				×				०			

⁕	प	छी	र	डी	-	प	डे	⁕	मा	री	-	मा	-	-	-
-	सा	रे	सा	म	ग	ग	ग	-	ग	रे	सा	रे	-	-	-
×				०				×				०			

(६)

	प्रार्थना गायक : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह
*	फूल खिला दो तुम गुलशन में प्यार जगा दो सब के मन में
*	तेरी रहमत से हे त्राता गुल खिल जाएं उजड़े बन में
*	और के ऐब को गिनने से पहले ख़ुद को देखुं मन दरपन में
*	हर पल तेरा स्मरण करूं मैं लीन रहुं मैं तेरे भजन में

ताल : कहरवा

स्थायी :-

सां	नि	ध	प	नि	ध	प	म	ध	प	म	ग	रे	-	सा	नि़
×				०				×				०			

सा	-	-	-	रे	-	ग	-
×				०			

*	फू	-ल	खि	ला	-	दो	-	*	तु	-म	गुल	श	न	में	-
-	ग	-	म	प	-	प	-	-	ध	-	ध	प	ध	प	-
×				०				×				०			

*	प्या	-र	ज	गा	-	दो	-	*	स	ब	के	म	न	में	-
-	रे	ग	ग	म	ग	रे	-	-	नि़	रे	रे	ग	रे	सा	-
×				०				×				०			

*	फू	-ल	खि	ला	-	दो	-	*	तु	-म	गुल	श	न	में	-
-	ग	-	म	प	-	प	-	-	ध	-	ध	प	ध	प	-
×				०				×				०			

अंतरा :-

-	-	-	-	-	ग	म	ग	प	-	-	-	-	ग	म	ग
×				०				×				०			

प	-	-	-	-	-	रे	ग	म	-	-	-	-	ग	रे सा	नि़ सा
×				०				×				०			

रे	-	-	-	-	प़	ध़	नि़	सा	-	-	-	रे	-	ग	-
×				०				×				०			

⁕	ते	-	री	र	ह	म	त	⁕	से	-	हे	त्रा	-	ता	-	-	-	-	- -	-	-	-	-
-	ग	-	म	प	-	प	-	-	सां	-	नि	ध	नि	ध	-	-	-	-	नि ध	प	-	-	-
×				०				×				०				×				०			

⁕	ते	-	री	र	ह	म	त	⁕	से	-	हे	त्रा	-	ता	-
-	ग	-	म	प	-	प	-	-	सां	-	नि	ध	नि	ध	-
×				०				×				०			

⁕	गु	-ल	खिल	जा	-	एं	-	⁕	उ	ज	ड़े	ब	न	में	-
-	रे	ग	ग	म	ग	रे	-	-	ऩि	रे	रे	ग	रे	सा	-
×				०				×				०			

(७)

	साांई भजन गायक : उदय शाह शब्द-रचना : उदय शाह संगीत-रचना : उदय शाह
*	आया हूं तेरे दर पे बाबा झोली मेरी भर दे बाबा
*	काम क्रोध लालच का दरिंदा मेरे मन से हर दे बाबा
*	नफ़रत मेरे दिल से मिटा कर दिल को प्यार से भर दे बाबा
*	दुख से भरा है जीवन मेरा ख़ुशियां थोड़ी भर दे बाबा

ताल : कहरवा

स्थायी :-

सां	नि्	ध्	प	ध्	-	-	-	नि्	ध्	प म	ग्	प	-	-	-
×				०				×				०			

ध्	प	म	ग्	रे	-	-	-	ग्	रे	सा	ऩि	सा	-	-	-
×				०				×				०			

⁕	आ	-	या	हूं	-	ते	रे	⁕	द	र	पे	बा	-	बा	-
-	सा	-	रे	ग्	प	प	प	-	सां	सां	प	ध्	प	प	-
×				०				×				०			

⁕	झो -	-	ली	मे	-	री	-	⁕	भ -	र	दे	बा -	- -	बा	-
-	ध् प	म	म	म	ग्	रे	-	-	प म	ग्	रे	रे म	ग् रे	सा	-
×				०				×				०			

⁕	आ	-	या	हूं	-	ते	रे	⁕	द	र	पे	बा	-	बा	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	सा	-	रे	ग्	प	प	प	-	सां	सां	प	ध्	प	ग्	प	-	-	-	-	-	-	-	-
×				०				×				०				×				०			

अंतरा :-

ध्	प	प	प	ध्	प	प	प	ध्	प	प	प	सा	रे	ग्	म
×				०				×				०			

प	म	म	म	प	म	म	म	प	म	म	म	ग्	रे	ग्	म
×				०				×				०			

म	ग्	ग्	ग्	म	ग्	ग्	ग्	म	ग्	म	ग्	म	ग्	रे	-
×				०				×				०			

ग्	रे	रे	रे	ग्	रे	रे	रे	ग्	रे	ग्	रे	ग्	रे	सा	नि़
×				०				×				०			

प़	सा	-	-	सा	रे	ग्	म	प	प	प	ध्	प	प	प	-
×				०				×				०			

का	-	म	क्रो	-	ध	ला	-	ल	च	का	द	रिं	-	दा	-	-	-	-	-	-	-
प	सां	सां	सां	रें	सां	सां	-	रें	नि्	सां	ध्	नि्	ध्	प	-	-	-	-	-	-	-
×				०				×				०				×				०	

आ	-	आ	-	-	-	आ	-	आ	आ	आ	-	-	-	*	*	*	*
म	प	ध्	-	-	-	नि्	-	गं्	रें	सां	-	-	-	प	ध्	नि्	सां
		×				०				×				०			

का	-	म	क्रो	-	ध	ला	-	ल	च	का	द	रिं	-	दा	-
प	सां	सां	सां	रें	सां	सां	-	रें	नि्	सां	ध्	नि्	ध्	प	-
×				०				×				०			

*	मे -	-	रे	म	-न	से	-	*	ह -	र	दे	बा -	- -	बा	-
-	ध् प	म	म	म	ग्	रे	-	-	प म	ग्	रे	रे म	ग् रे	सा	-
×				०				×				०			

Month	Amount	Date	Month	Amount	Date

Month	Amount	Date	Month	Amount	Date

Uday Shah

(Singer – Music Composer – Poet)

Dadatattu (Sai) Street, Navsari – 396445, Gujarat – India.

Phone : (R) +912637255511 (M) +919428882632

: Websites :

www.udayshahghazal.com

www.sites.google.com/site/udayshahghazal

www.sites.google.com/site/udayshahghazals

www.sites.google.com/site/udayshahxyz